

स्नान-वस्त्र पुं. (तत्.) वह वस्त्र, जिसे पहनकर स्नान किया जाता है। bathing suit

स्नान-विधि स्त्री. (तत्.) नहाने का तरीका/विधि/ढंग, स्नान का विधान/नियम।

स्नान-शाला स्त्री. (तत्.) दे. स्नान गृह।

स्नानागार पुं. (तत्.) दे. स्नान-गृह।

स्नानी वि. (तत्.) 1. नहाने योग्य 2. (पानी) जिसमें नहाया जा सके।

स्नानोदक पुं. (तत्.) नहाने का पानी, स्नान जल।

स्नापक वि. (तत्.) स्नान कराने/नहलाने वाला पुं. स्नान कराने/नहलाने वाला व्यक्ति।

स्नापित वि. (तत्.) नहलाया हुआ।

स्नायन पुं. (तत्.) स्नान, नहाया।

स्नायविक वि. (तत्.) स्नायु से संबंधित, नस/नसों का, स्नायु।

स्नायवीय वि. (तत्.) स्नायु से संबंधित, स्नायविक पुं. आँख, पैर, हाथ आदि कर्मेन्द्रियाँ।

स्नायी वि. (तत्.) जो स्नान करता हो, नहाने वाला।

स्नायु पुं. (तत्.) 1. शरीर में दो या अधिक चल हड्डियों को मिलाने वाली रेशेदार, लचीली और मजबूत ऊतकों की महीन पट्टी जैसी संरचना 2. धनुष की डोरी, प्रत्यंचा 3. तंत्रिका 4. नस।

स्नायुक पुं. (तत्.) नहरुआ नामक रोग।

स्नायु-मंडल पुं. (तत्.) शरीर का स्नायु-समूह।

स्नायु वर्म पुं. (तत्.) स्नायुओं का संधि-स्थल।

स्नायु-शूल पुं. (तत्.) वैद्यक के अनुसार स्नायु में शूल के समान तीव्र वेदना संबंधी एक रोग।

स्निग्ध वि. (तत्.) 1. जिसमें स्नेह/प्रेम हो, स्नेही 2. जिसमें स्नेह/तेल हो या लगा हो, चिकना 3. चिपचिपा 4. कोमल 5 दयालु 6. मशीन आदि के पुर्जों को सरलतापूर्वक चलने में सहायता देने वाला चिकना पदार्थ।

स्निग्धता स्त्री. (तत्.) 1. चिकना होने की अवस्था/गुण/भाव, चिकनाहट, चिकनाप 2. प्रेम 3. दयालुता 4. कोमलता।

स्निग्धत्व पुं. (तत्.) दे. स्निग्धता।

स्निग्ध-दारु पुं. (तत्.) 1. देवदारु का पेड़ 2. शाल-वृक्ष 3. धूपसरल।

स्निग्ध पत्र पुं. (तत्.) 1. धृतकरंज, धीकरंज 2. माजुरघास 3. गुच्छ करंज 4. भगवतवल्ली।

स्निग्ध-पत्रा स्त्री. (तत्.) 1. बेर 2. पालक का साग 3. काश्मरी, गंभारी 4. अमलोनी।

स्निग्ध-पत्री पुं. (तत्.) दे. स्निग्ध-पत्रा।

स्निग्ध-पर्णी स्त्री. (तत्.) 1. पिठवन, पृश्निपर्णी 2. मूर्वा 3. मरोड़ फली।

स्निग्ध-फल पुं. (तत्.) गुच्छ करंज।

स्निग्ध-फला स्त्री. (तत्.) 1. फूट नामक फल 2. नाकुली 3. नकुलकंद।

स्निग्ध बीज पुं. (तत्.) इसबगोल।

स्निग्ध मज्जक पुं. (तत्.) बादाम

स्निग्ध सजि पुं. (तत्.) काले साँप और राजमती जाति की साँपिनी से उत्पन्न एक प्रकार का साँप (सुश्रुत)।

स्निग्धा स्त्री. (तत्.) हड्डी के अंदर की गूदा, मज्जा आयु. मेदा नामक अष्टवर्गीय ओषधि।

स्नुषा स्त्री. (तत्.) 1. पुत्र-वधू, बेटे की पत्नी 2. थूहड़।

स्नुहा/स्नुही स्त्री. (तत्.) थूहड़।

स्नेच्छेद पुं. (तत्.) प्रेम में अंतर पड़ना।

स्नेय वि. (तत्.) 1. जिसमें या जिससे स्नान किया जा सके 2. जो स्नान करने को हो, जिसे स्नान करना जरूरी/उचित हो।

स्नेह पुं. (तत्.) 1. चिकना पदार्थ, चिकनाहट वाली चीज। (घी, तेल आदि) 2. किसी के प्रति होने वाला प्रेम 3. कोमला 4. सरसों 5. दूध-दही आदि पर की मलाई।